बी.ए. आनर्स (संस्कृत) कार्यक्रम

एवं

बी.ए. अनुप्रयुक्त संस्कृत कार्यक्रम

BASKH & BAASK

सत्रीय कार्य

(जनवरी, **2026** तथा जुलाई, **2026** सत्रों के लिए)

BSKC – 113 सृष्टि मीमांसा और ज्ञान मीमांसा

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- **110068**

सत्रीय कार्य (2026)

पाठ्यक्रम कोड : **BSKC -113**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है। सत्रीय कार्य के लिए **100** अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ....

दिनाँक : ....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन: सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास: उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. प्रस्तुति: जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट: याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथि:

जनवरी, 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

जुलाई, 2026 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2027

सत्रीय कार्य : **BSKC – 113 सृष्टि मीमांसा और ज्ञान मीमांसा**

पाठ्यक्रम कोड **BSKC – 113**

पाठ्यक्रम शीर्षक : **सृष्टि मीमांसा और ज्ञान मीमांसा**

सत्रीय कार्य : **BSKC – 113/TMA/2026**

पूर्णांक : 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : -

(क) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : - **20X2=40**

1. अनुमान प्रमाण का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. भारतीय दर्शन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. भारतीय दर्शन में सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद क्या है? सविस्तार उल्लेख कीजिए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : - **10X3=30**

1. प्रमा का लक्षण बताते हुए उसके प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

2. षड्विधसन्निकर्षों का वर्णन कीजिए।

3. न्याय-वैशेषिक दर्शन के अनुसार गुण का लक्षण बताते हुए गुणों के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4. मीमांसा एवं वेदान्त दर्शन का परिचय दीजिए।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखिए: - **6X5=30**

i.	पदार्थ के त्रिविध धर्म	ii.	सामान्य	iii.	कर्म
iv.	अभाव	v.	द्वैतवाद	vi.	बाधित हेत्वाभास